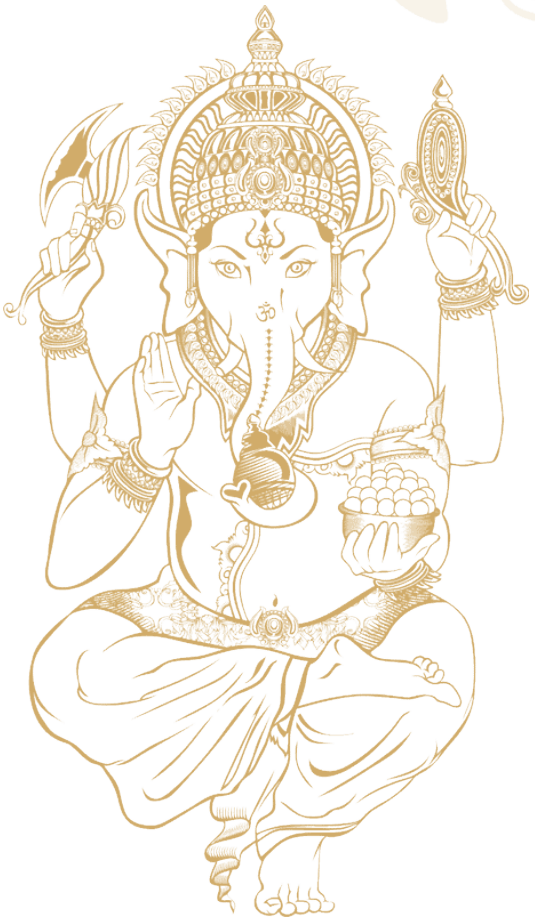

# mr.sarthak

# ms.riya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120801502

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 21/11/1997 | जन्म तिथि | 09/04/1999 |
| शुक्रवार | दिन | शुक्रवार |
| घंटे 22:50:00 | जन्म समय | 21:20:00 घंटे |
| घटी 40:48:25 | जन्म समय(घटी) | 38:45:44 घटी |
| India | देश | India |
| Lucknow | स्थान | Jabalpur |
| 26:50:00 उत्तर | अक्षांश | 23:10:00 उत्तर |
| 80:54:00 पूर्व | रेखांश | 79:57:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:06:24 | स्थानिक संस्कार | -00:10:12 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 06:30:37 | सूर्योदय | 05:55:56 |
| 17:13:53 | सूर्यास्त | 18:28:22 |
| 23:49:34 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:50:37 |

| विंशोत्तरी | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| केतु 5वर्ष 7मा 22दि | 23:30:40 | कर्क | लग्न | वृश्चि | 04:26:56 | सूर्य 3वर्ष 8मा 28दि |
| सूर्य | 05:36:27 | वृश्चि | सूर्य | मीन | 25:30:16 | राहु |
| 15/07/2023 | 02:34:59 | सिंह | चंद्र | मक | 01:40:50 | 06/01/2020 |
| 14/07/2029 | 15:38:11 | धनु | मंगल व | तुला | 15:18:06 | 06/01/2038 |
| सूर्य 01/11/2023 | 25:55:41 | वृश्चि | बुध | कुंभ | 29:16:49 | राहु 18/09/2022 |
| चन्द्र 02/05/2024 | 21:23:10 | मक | गुरु | मीन | 19:15:44 | गुरु 11/02/2025 |
| मंगल 07/09/2024 | 21:37:56 | धनु | शुक्र | वृष | 02:45:02 | शनि 19/12/2027 |
| राहु 02/08/2025 | 20:15:09 | मीन व | शनि | मेष | 10:39:02 | बुध 07/07/2030 |
| गुरु 21/05/2026 | 22:56:04 | सिंह व | राहु | कर्क | 26:21:58 | केतु 26/07/2031 |
| शनि 03/05/2027 | 22:56:04 | कुंभ व | केतु | मक | 26:21:58 | शुक्र 25/07/2034 |
| बुध 08/03/2028 | 11:31:30 | मक | हर्ष | मक | 22:13:38 | सूर्य 19/06/2035 |
| केतु 14/07/2028 | 03:52:35 | मक | नेप | मक | 10:19:15 | चन्द्र 18/12/2036 |
| शुक्र 14/07/2029 | 11:24:34 | वृश्चि | प्लूटो व | वृश्चि | 16:27:23 | मंगल 06/01/2038 |

**लग्न-चलित**

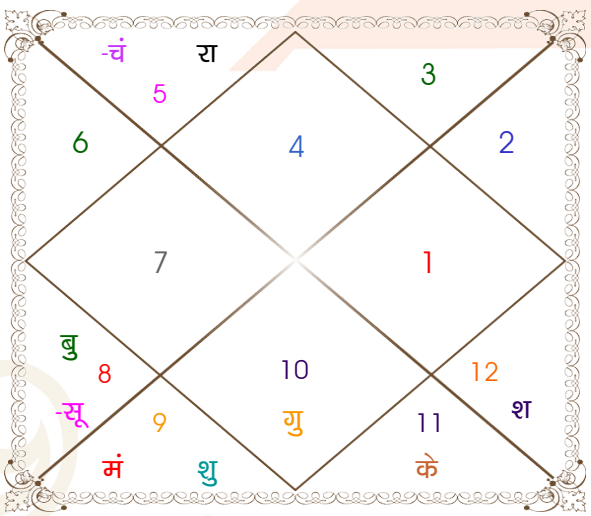


**लग्न-चलित**

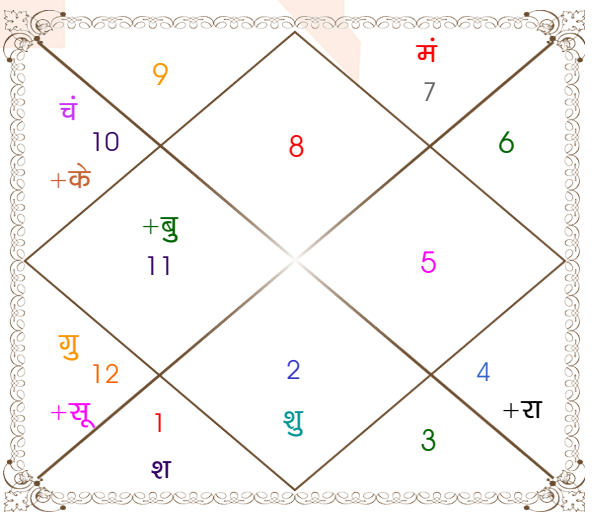

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | क्षत्रिय | वैश्य | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | वनचर | चतुष्पाद | 2 | 0.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | मित्र | विपत | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | मूषक | नकुल | 4 | 1.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | सूर्य | शनि | 5 | 0.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | राक्षस | मनुष्य | 6 | 0.00 | हाँ | सामाजिकता |
| भकूट | सिंह | मकर | 7 | 0.00 | हाँ | जीवन शैली |
| नाड़ी | अन्त्य | अन्त्य | 8 | 0.00 | हाँ | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 3.50 | | |

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

उतर्ेंतजीा का वर्ग मूषक है तथा उेण्तपलं का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार उतर्ेंतजीा और उेण्तपलं का मिलान ठीक नहीं है।

## मंगलीक दोष मिलान

उतर्ेंतजीा मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

उेण्तपलं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

**व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।**
**द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।**

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल उेण्तपलं कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों

में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल उतर्ेंतजीा कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

उतर्ेंतजीा तथा उेण्तपलं में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।